

## **Rajasthani Folk Song and Dance Performance organized by SPICMACAY @ SBPS**

The students of Sarala Birla Public School, Ranchi witnessed the Rajasthani Folk Song and Dance in the school auditorium organized by the Society for the Promotion of Indian Classical Music and Culture Amongst Youth (SPICMACAY) on 21<sup>st</sup> December 2021. The artists performed the Kalbelia dance, sung Rajasthani folk songs and mesmerized the audience by their wonderful musical renditions. The students understood about the history behind this form of dance and its importance among the people of Kalbelia tribe. It is also known as the 'Sapera Dance' or the 'Snake Charmer Dance'. The students enjoyed the performance and also gained an insight about musical instruments, folk songs and dance.

The School Head Personnel and Admin Dr. Pradip Varma thanked and appreciated the artists for making the students aware about the form of Rajasthani folk song and dance.

The Principal, Mrs. Paramjit Kaur said that India is a beautiful country with diverse culture. She expressed her gratitude towards SPICMACAY and the artists who introduced the students to their rich cultural heritage.

### **सरला बिरला स्कूल में स्पिकमैके द्वारा राजस्थानी लोकगीत, संगीत एवं नृत्य का आयोजन**

सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में राजस्थानी लोकगीत, संगीत एवं नृत्य का आयोजन किया गया। सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूजिक एंड कल्चर अमंग यूथ (स्पिकमैके) द्वारा 21 दिसम्बर 2021 को यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। कलाकारों ने राजस्थानी लोकगीत, संगीत एवं नृत्य की अद्भुत प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्रों ने राजस्थान की लोक कला को बहुत नजदीक से देखा और समझा। छात्रों ने इस प्रकार के नृत्य के पीछे के इतिहास और कालबेलिया जनजाति के लोगों के बीच इसके महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसे 'सपेरा डांस' या 'स्नेक चार्मर डांस' के नाम से भी जाना जाता है। छात्रों ने प्रदर्शन का भरपूर आनंद लिया और राजस्थानी लोकगीत, संगीत एवं नृत्यों के विभिन्न रूपों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

विद्यालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रमुख डॉ० प्रदीप वर्मा ने कलाकारों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने राजस्थान राज्य के इस लोक-कला का संवर्धन करते हुए भावी पीढ़ी को इससे अवगत कराया।

प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने कहा कि हमारे देश की संस्कृति विभिन्नताओं से युक्त है। छात्रों को इस संस्कृति और परंपरा से अवगत कराने के लिए उन्होंने स्पिकमैके तथा कलाकारों के प्रति आभार व्यक्त किया।



